जीवन रक्षक आकस्मिक प्रबंधन

---

1. जीवनरक्षक आकस्मिक प्रबंधन से आप क्या समझते हैं? अथवा, आग लगने की स्थिति में क्या प्रबन्धन करना चाहिए?

उत्तर- आपदा प्रबंधन को दो चरणों में लागू करने की जरूरत है। यथा- (i) आकस्मिक प्रबंधन और (ii) दीर्घकालीन प्रबंधन। आपदा की घड़ी में आकस्मिक प्रबंधन का उद्देश्य संभावित आपदा को कम करना है। आकस्मिक प्रबंधन ही किसी प्रशासन की सफलता की कसौटी होती है। इसके अंतर्गत आपदा के आते ही प्रभावित लोगों को आपदा से छुटकारा दिलाना ही प्रमुख उद्देश्य होता है। अलग-अलग प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं के आकस्मिक प्रबंधन में अलग-अलग प्रकार की प्राथमिकताएं होती है

(i) बाद की स्थिति में आकस्मिक प्रबंधन – बाढ़ की स्थिति में आकस्मिक प्रबंधन बाद रोकना नहीं, बल्कि बाढ़ से लोगों को बचाना है। उस प्रबंधन की तारीफ होती है जो लोगों को नाव पर बैठाकर या तैरने वाले व्यक्ति द्वारा रबर के गुब्बारे के साथ खींचते हुए सुरक्षित जगह पर ले जाय। उसके बाद मवेशियों को तथा घर के सामानों को बाहर निकालने की प्राथमिकता देनी चाहिए है।

(ii) भूकम्प एवं सुनामी की स्थिति में आकस्मिक प्रबंधन-मूकम्प की स्थिति में आकस्मिक प्रबंधन का तीन प्रमुख कार्य होता है- (क) बचे हुए विस्थापित लोगों को राहत कैम्प में ले जाना या उन्हें सभी प्रकार की आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराना। (ख) वैसे लोगों को मलबे से निकालना जो अभी दबे हुए हैं। (ग) मृत्युप्राप्त लोगों जानवरों को सही स्थानों पर दफनाकर अंतिम संस्कार करना।

(iii) आग लगने की स्थिति में आकस्मिक प्रबंधन – आग लगने की स्थिति में आकस्मिक प्रबंधन- (क) आग में फंसे हुए लोगों को बाहर निकालना। (ख) घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार देकर अस्पताल पहुँचाना। (ग) आग के फैलाव को रोकना।

2. नागरिक सुरक्षा के क्या उद्देश्य हो सकते हैं?

उत्तर- नागरिक सुरक्षा के निम्नलिखित उद्देश्य हैं- (i) जान, माल एवं मवेशी की सुरक्षा। (ii) सुरक्षित स्थानों पर प्रभावित को पहुँचाना। (iii) भोजन, पानी एवं वस्त्रादि को उपलब्ध कराना। (iv) त्रासदी के उपरांत महामारी न फैले इसका उचित प्रबंध करना।

3. आकस्मिक आपदा प्रबंधन में स्थानीय प्रशासन की भूमिका का वर्णन करें।

उत्तर- आकस्मिक प्रबंधन में स्थानीय प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए आवश्यक है कि वे राहत शिविर का निर्माण करें। वहाँ सभी उपकरण और प्राथमिक उपचार की सामग्रियाँ उपलब्ध कराएँ तथा एम्ब्युलेंस (Ambulance), डॉक्टर, अग्निशामक इत्यादि की व्यवस्था में तत्परता दिखाएँ। आकस्मिक प्रबंधन के लिए स्थानीय प्रशासन को चाहिए कि आपदा आने से पूर्व ही अपने क्षेत्र में खाद्य पदार्थ, पशु चारा, महामारी से संबंधित जीवन रक्षक दबाई, छिड़काव की सामग्री इत्यादि का पूर्व प्रबंधन कर लें।

4. बाढ़ की स्थिति में अपनाए जाने वाले आकस्मिक प्रबंधन का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

उत्तर- बाढ़ के आते ही जान-माल और मवेशी पर भारी संकट आ जाता है। अत: पहली प्राथमिकता बाढ़ रोकना नहीं बल्कि बाढ़ से लोगों को बचाना है। लोगों को नाव पर बैठाकर या तैरने वाले व्यक्ति द्वारा रबर के गव्यारे के साथ दूसरे व्यक्ति को भी खींचते हुए सुरक्षित स्थान पर ले जाना चाहिए। उसके बाद मवेशियों को तथा घर के सामानों को बाहर निकालने की प्राथमिकता होनी चाहिए।

सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के बाद भोजन और पेयजल की व्यवस्था आवश्यक है। बच्चों के लिए दूध की व्यवस्था, महामारी से बचने के लिए गर्म जल, गर्म भोजन तथा छोटे से जगह में मिलजुलकर रहने के लिए वातावरण बनाना आकस्मिक प्रबंधन का ही हिस्सा है।